ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना सन् 1932 ई. में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित है। अपने संस्थापक की स्मृति में प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्त दिवसीय ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला का आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया जाता है।

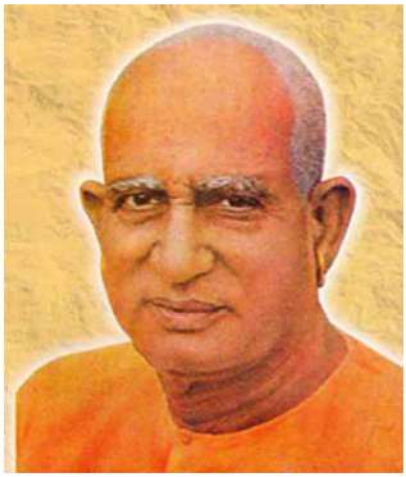

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला
२३-२९ अगस्त, २०११

उद्घाटन - २३ अगस्त, २०११

अध्यक्ष : **प्रो. यू. पी. सिंह**
पूर्व कुलपति, वी.ब.सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर**
पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

मुख्य वक्ता : **प्रो. शिवाजी सिंह**
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली

व्याख्यान

२४ अगस्त २०११	राष्ट्रीय सुरक्षा की अपरम्परागत चुनौतियां	**डॉ. हर्ष सिन्हा** रक्षा अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	भारतीय संस्कृति और राष्ट्र	**डॉ. प्रदीप राव** प्राचार्य, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़
२५ अगस्त २०११	भ्रष्टाचार निवारण के कुछ गैर कानूनी उपाय	**डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय** पूर्व प्राचार्य, सेवरही पी.जी. कालेज, सेवरही
	जैव विविधता : भारतीय परिदृश्य	**डॉ. विजय कुमार चौधरी** प्रभारी, भूगोल विभाग महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड
२६ अगस्त २०११	विकास की भारतीय अवधारणा	**डॉ. सतीश द्विवेदी** प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर
	भारतीय संविधान की नई चुनौतियां	**डॉ. अविनाश प्रताप सिंह** प्राचार्य, गो.म.अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक, महराजगंज
२७ अगस्त २०११	भारतीय विदेश नीति की चुनौतयां	**प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी** पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य, राजनीतिशास्त्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	पुराणों में वर्णित राजवंशावली	**श्री सुबोध मिश्र** प्रवक्ता, प्राचीन इतिहास महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़
२८ अगस्त २००८	The Dwarf Stars: Strange But....	**डॉ. सत्यपाल सिंह** प्रवक्ता, भौतिकी मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर
	Religion and Fertility : A Case Study of Gorakhpur District	**श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय** प्रवक्ता, अर्थशास्त्र महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

समारोप-२९ अगस्त २०११

अध्यक्ष : **प्रो. माता प्रसाद त्रिपाठी**,
पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गो.

मुख्य अतिथि : **प्रो. टी.पी. वर्मा**,
पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान-माला प्रतिवर्ष की भाँति २३ अगस्त से २९ अगस्त तक आयोजित की गयी। २३ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० शैलेन्द्र नाथ कपूर, कार्यक्रम के अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० उदय प्रताप सिंह तथा मुख्य वक्ता अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध विद्वान प्रो० शिवाजी सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध मिश्र तथा आभार भौतिकी प्रवक्ता श्री सन्तोष कुमार ने किया।

व्याख्यान-माला के उदघाट्न सत्र में अतिथि

२४ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के दूसरे दिन "राष्ट्रीय सुरक्षा की परम्परागत चुनौतियाँ" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के उपाचार्य डॉ० हर्ष सिन्हा ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा आभार अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय ने किया।

२५ अगस्त :

व्याख्यान-माला के तीसरे दिन "भ्रष्टाचार निवारण के कुछ गैरकानूनी उपाय" विषय पर बतौर मुख्य वक्ता किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सेवरही कुर्शीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ० वेद प्रकाश पाण्डेय ने अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ उपाध्यक्ष श्री विश्वजीत शर्मा तथा आभार वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ० राजेश शुक्ल ने किया।

२६ अगस्त :

व्याख्यान-माला के चौथे दिन "विकास की भारतीय

व्याख्यान–माला के समापन समारोह में अतिथि

अवधारणा" विषय पर बुद्ध पी० जी० कालेज कुशीनगर के अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ० सतीश द्विवेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन छात्रसंघ उपाध्यक्ष राकेश सिंह तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ० नन्दन शर्मा ने किया।

२७ अगस्त :

व्याख्यान-माला के पाँचवे दिन दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो० श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने "भारतीय विदेश नीति की चुनौतियाँ" विषय पर अपना शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ० ब्रजेश मिश्र तथा स्वागत एवं आभार ज्ञापन रसायनशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ० बी० बी० मिश्र ने किया।

२८ अगस्त :

व्याख्यान-माला के छठवें दिन मदन मोहन मालवीय इन्जीनियरिंग कालेज के भौतिकविद डॉ० सत्यपाल सिंह ने "तारों का जन्म एवं मृत्यु" विषय पर रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के छात्र श्री मनीष त्रिपाठी तथा स्वागत एवं आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ० सुनील कुमार मिश्र ने किया।

२९ अगस्त

व्याख्यान-माला के समारोप के अवसर पर "रामजन्म भूमि एक ऐतिहासिक सिंहावलोकन" विषय पर ख्यातिलब्ध इतिहासकार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० टी० पी० वर्मा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य प्रो० माता प्रसाद त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार राव तथा संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने किया।